জীৱনৰ সফলতা

জীৱন এক অমূল্য উপহাৰ, কিন্তু আমি বহুবাৰ এইটো বুজিবলৈ নোৱাৰো। বহু মানুহে ভাবে যে জীৱন মানে ডাঙৰ সপোন পূৰণ কৰা, অধিক ধন উপাৰ্জন কৰা আৰু সমাজত সফল হোৱা। কিন্তু সঁচাকৈ ক'লে, এইবোৰেই জীৱনৰ সাঁচ সুধ নহয়। জীৱনৰ সাঁচ আনন্দ আৰু শান্তি সৰু সৰু কামবোৰৰ মাজতেই লুকাই থাকে।

আজিৰ যুগত মানুহৰ জীৱন অতি ব্যস্ত হৈ পৰিছে। সকলোয়ে অধিক পাবলৈ দৌৰি আছে- ভাল ঘৰ, বেছি টকা, উন্নত জীৱন। কিন্তু এই দৌৰত মানুহে নিজৰ মনৰ শান্তি, সময় আৰু সম্পৰ্কবোৰ হেৰুৱাই পেলায়। মানুহে বাহিৰৰ বস্তুবোৰত সুখ বিচাৰে, কিন্তু সেই সুখ সদায় স্থায়ী নহয়। হয়াৰ বিপৰীতে, সৰল জীৱনে মানুহক ভিতৰৰ পৰা সুখী কৰি তোলে।

সৰল জীৱন মানে হৈছে নিজৰ প্ৰয়োজনবোৰ বুজি পোৱা আৰু অতিৰিক্ত আশা নকৰা। যেতিয়া মানুহে কম বস্তুত সন্তুষ্ট থাকিবলৈ শিকে, তেতিয়া তেঁওলোকৰ মনত শান্তি আহে। এটা সৰল হাঁহি, পৰিয়ালৰ সৈতে সময় কটোৱা, বন্ধুৰ সৈতে কথা- বতৰা কৰা বা প্ৰকৃতিৰ মাজত অলপ সময় বহি থকা -এই সৰু সৰু মুহূৰ্তবোৰেই জীৱনৰ সাঁচ সৌন্দৰ্য্য। এইবোৰে মানুহক মানসিক শান্তি আৰু আনন্দ প্ৰদান কৰে।

আজি প্ৰযুক্তিয়ে আমাৰ জীৱন সহজ কৰি তুলিছে। মোবাইল, ইণ্টাৰনেট আৰু ছাঁটিয়েল মিডিয়াই আমাৰ কাম সহজ কৰিছে।

কিন্তু একে সময়তে, এইবোৰে আমাক অধিক ব্যস্ত আৰু চিন্তিতো কৰিছে। মানুহে বেছি সময় মোবাইলত কটাই আৰু নিজৰ পৰিয়াল আৰু নিজৰ সৈতে সময় কটাবলৈ পাহৰি যায়। ইয়াৰ ফলত মানুহৰ মানসিক চাপ বৃদ্ধি পায় আৰু সুখ কমি যায়। সেয়েহে, আমি সময় সময়ত এইবোৰৰ পৰা অলপ আঁতৰি থাকি নিজৰ মনক বিশ্রাম দিব লাগে।

সৰল জীৱনৰ আন এটা গুৰুত্বপূর্ণ দিশ হৈছে কৃতজ্ঞতা। যেতিয়া মানুহে নিজৰ যি আছে সেইবোৰৰ বাবে কৃতজ্ঞ হয়, তেতিয়া তেওঁলোক অধিক সুখী হয়। সদায় অধিক পাবলৈ চেষ্টা কৰাৰ পৰিৱর্তে, যি আছে তাৰেই সন্তুষ্ট থাকিবলৈ শিকাটো ধুবেই দৰকাৰ। এইটোৱেই জীৱনক সহজ আৰু আনন্দময় কৰি তোলে।

শেষত ক'ব পাৰি যে, জীৱনৰ আঁচা সৌন্দর্য্য সৰলতাতেই লুকাই থাকে। যদি আমি সৰলভাবে জীৱনটো জীয়াই থাকোঁ, নিজৰ প্রয়োজনবোৰ বুজো আৰু সৰু সৰু মুহূর্তবোৰৰ আনন্দ লওঁ, তেন্তে আমি আঁচাকৈয়ে সুখী হব পাৰো। সৰল জীৱনেই আমাক প্রকৃত সুখ আৰু শান্তিৰ পথ দেখুৱায়।

.....

ऑपरेशन सिंदूर

आपरेशन सिंदूर एक महत्वपूर्ण सैन्य अभियान था जिसका उद्देश्य क्षेत्र मे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ना और शांति स्थापित करना था। इस अभियान मे सेना ने अपनी ताकत और रणनीति का प्रदर्शन किया और आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत निशाना साधा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने अपनी बहादुरी और निष्ठा का परिजय दिया। उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उन्हें मार गिराया या पकड़ लिया। इस अभियान में सेना की रणनीति और कौशल का प्रदर्शन हुआ और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मे एक महत्वपूर्ण कदम उठाया

गया।
ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अभियान ने दिखाया कि सेना देश की रक्षा के लिए किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। ऑपरेशन सिंदूर एक गौरवशाली पल था जिसने देश के लिए बलिदान की भावना को प्रदर्शित किया।

इस अभियान से हमें यह सीखने को मिलता है कि सेना की एकता और निष्ठा देश की रक्षा के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर एक प्रेरणादायक उदाहरण है जो हमें देश के लिए काम करने और बलिदान करने की प्रेरणा देता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे सेना की मेहनत, रणनीति और निष्ठा का महत्वपूर्ण योगदान था।

.....

सत्रिया नृत्य : भक्ति और संस्कृति की अनुपम अभिव्यक्ति

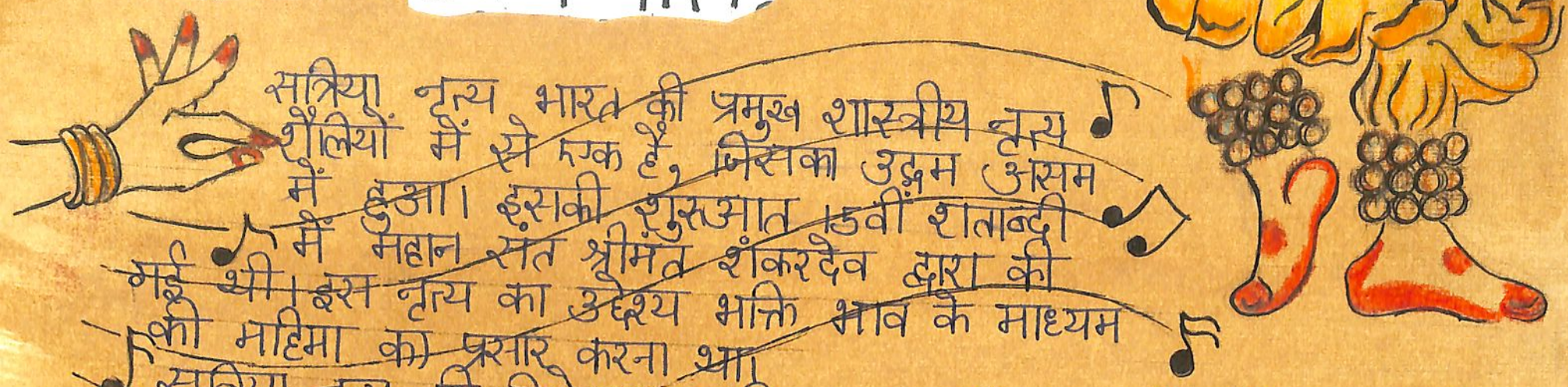

सत्रिया नृत्य भारत की प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है, जिसका उद्गम असम में हुआ। इसकी शुरुआत 15वीं शताब्दी में महान संत श्रीमंत शंकरदेव द्वारा की गई थी। इस नृत्य का उद्देश्य भक्ति भाव के माध्यम से भगवान की महिमा का प्रसार करना था।

सत्रिया नृत्य की विशेषता इसकी सरलता, सुंदर मुद्राएँ और भावपूर्ण अभिव्यक्ति है। इसमें नर्तक पारंपरिक वेशभूषा पहनकर धार्मिक कथाओं को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। पहले यह नृत्य केवल पुरुषों द्वारा मठों (सत्रों) में किया जाता था, लेकिन आज महिलाएँ भी इसमें भाग लेती हैं।

इस नृत्य में ढोल, ताल और बांसुरी जैसे वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाता है, जो इसकी लय और सौंदर्य को और बढ़ाते हैं। सत्रिया नृत्य असम की सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आज इसे देश-विदेश में भी सराहा जाता है।

सत्रिया नृत्य भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर आधारित है। इसमें रामायण महाभारत और भागवत पुराण की कथाओं को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। यह नृत्य भक्ति, भाव और आध्यात्मिकता का सुन्दर मेल है।

सत्रिया नृत्य को वर्ष 2000 में भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता दी गई। आज यह नृत्य न केवल असम बल्कि पूरे देश और विदेशों में भी लोकप्रिय हो रहा है।

अंत में, सत्रिया नृत्य केवल एक कला नहीं, बल्कि असम की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और भक्ति भावना का प्रतीक है।

.....

फिल्टर वाली जिंदगी, असली बेचैनी

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हर कोई अपनी जिंदगी को खूबसूरत दिखाने के लिए फिल्टर, एडिटिंग और परफेक्ट पलों का सहारा लेता है। लेकिन इस "फिल्टर वाली जिंदगी" के पीछे एक ऐसी सच्चाई छिपी होती है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं – असली बेचैनी।

सोशल मीडिया पर दिखने वाली चमक-दमक हमें दूसरों से अपनी तुलना करने पर मजबूर कर देती है। हमें लगता है कि बाकी लोग हमसे ज्यादा खुश, सफल और परफेक्ट हैं। असल में, सोशल मीडिया पर दिखने वाली जिंदगी पूरी तरह सच्ची नहीं होती। हर किसी के जीवन में संघर्ष और परेशानियां होती हैं, जो स्क्रीन के पीछे छिपी रहती हैं। इसलिए जरूरी है कि हम इस आभासी दुनिया को समझदारी से अपनाएं और अपनी असली जिंदगी को महत्व दें।

संतुलन बनाकर और खुद को स्वीकार करके ही हम इस "फिल्टर वाली जिंदगी" के बीच अपनी असली खुशी पा सकते हैं।

.....

Empowered Women Empowered World

Women empowerment is no longer just an idea; it is a necessity in today's rapidly growing and changing world. As societies develop, the role of women is also evolving from traditional responsibilities to active participation in every field such as education, business, and politics, and technology.

In earlier times, women were often limited to household duties and had fewer opportunities for education and employment. However, with awareness and social progress, this situation is gradually changing. Today, women are becoming doctors, engineers, leaders, and entrepreneurs, contributing equally to the nation's growth.

Education plays a key role in empowering women. When a women is educated, she becomes independent, confident, and capable of making her own decisions. Governments and organizations have also taken important steps to support women's development. Programs like Beti Bachao Beti Parchao encourage education and protection of girls, helping build a stronger future.

Despite progress, challenges still remain. Many women continue to face issues like gender discrimination, unequal pay, and lack of safety. In some areas, traditional thinking still limits women's freedom and opportunities. True empowerment is not only about

giving rights but also about changing mindsets.

In today's world, technology and social media have also bec
me powerful tools for women. They help women express their
opinions, start businesses, and connect globally. Women are nov
raising their voices and standing up for their rights more than
ever before.

The growth of a nation depends on the empowerment of its women. When women are given equal opportunities, they contribute to economic development, social progress, and innova tion. Empowering women leads to a more balanced and fair society.

In conclusion, women empowerment in today's world is a sign of true progress. While significant improvements have been made, continuous efforts are needed to ensure equality, respect, and opportunities of all women. A society that values and empowers its women is a society that moves forward with strength and unity.